# युवाओं हेतु "सूकर पालन में उद्यमिता विकास" विषय पर कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, इज्जतनगर, बरेली द्वारा ग्रामीण कृषक युवाओं के लिये कौशल विकास के अन्तर्गत "सूकर पालन में उद्यमिता विकास " विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 16 से 20 नवम्बर, 2018 को किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सूकर पालन द्वारा बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार प्राप्त कराना था। इस प्रशिक्षण में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त दिल्ली एवं हरियाणा से आये 35 युवाओं ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में युवाओं को सूकर पालन व्यवसाय का महत्व के साथ संस्थान एवं कृषि विज्ञान केन्द्र का परिचय विषय पर ं कृषि विज्ञान केन्द्र प्रभारी डा0 बी0पी0 सिंह द्वारा व्याख्यान दिया गया। डा0 पी0के0 भारती, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एल.पी.एम. विभाग ने शावको एवं सूकरों की प्रबंध व्यवस्था के बारे में बताया। डा0 जी0के0 गौड़, प्रधान वैज्ञानिक, एल.पी.एम. विभाग द्वारा सूकरों की प्रजातियों का चयन, विशेषता व मौसम के अनुसार प्रबंधन के बारे में बताया। डा0 मुकेश सिंह, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा सूकर आवासों (बाड़ों) की बनावट तथा आहार प्रबन्धन पर डा0 एस.के. शाह, प्रधान वैज्ञानिक, पशु पोषण विभाग द्वारा व्याख्यान दिया गया। सूकरों की बीमारियाॅं, निदान, टीकाकरण की वैज्ञानिक जानकारी डा0 यू0के0 डे0, वरिष्ठ वैज्ञानिक, पशु औषधी विभाग द्वारा दी गई। डा0 निहार रंजन शाहू ने सूकरों में प्रजनन के बारे में बताया। सूकरों के बधियाकरण करने की विधि उसके लाभ व नुकसान के बारे मेेंं डा0 अभिषेक चन्द्र सक्सेना, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सर्जरी विभाग द्वारा जानकारी

दी गयी। इस प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को संस्थान के सूकर फाम्र पर भ्रमण कराया गया जहा ँ पर डा0 निहार रंजन शाहू ने कृषकों को सूकर पालन की प्रयोगात्मक जानकारी दी। दिनांक 18.11.2018 को प्रशिक्षाणर्थियों को प्रगतिशील कृषक श्री अमर सिंह, गा ँव गंगापुर कला, विलासपुर, जिला रामपुर के सूकर फार्म का भ्रमण कराया गया। कृषकों को ''छोटे स्तर पर कम लागत में सूकर पालन कैसे पाले, यह जानकारी प्राप्त कराने के लिये स्थानीय सूकर पालक श्री तेज बहादुर, गा ँव परधौली, जिला बरेली के फार्म पर भी 19 नवम्बर को भ्रमण कराया गया। सूकर फार्म हेतु बैंक ऋण मुहैया कराने की योजना के बारे में श्री डी0के0 मिश्रा, डी0डी0एम0, नबार्ड द्वारा पूर्ण जानकारी दी गयी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन दिनांक 20 नवम्बर को डा0 महेश चन्द्र , संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) की अध्यक्षता में किया गया । आपने प्रशिक्षणर्थियों को सुझाव दिया कि इस प्रशिक्षण के बाद अपने-अपने गा ँव में यूनिट स्थापित करें ताकि गा ँव के अन्य व्यक्तियों को भी स्वरोजगार प्राप्त हो सके।